सोने की लंका जलाई रे वीर बजरंगबली ने लिरिक्स

सोने की लंका जलाई रे,
वीर बजरंगबली ने,
रावण की लुटिया डुबोई रे,
वीर बजरंगबली ने।bd।

तर्ज – लहर लहर लहराए रे।

राम नाम द्वारे पे लिखा है,
मात सिया का पता मिला है,
विभीषण की कुटिया बचाई रे,
वीर बजरंगबली ने।bd।

शक्ति बाण लगे लक्ष्मण को,
रघुवर चैन पड़े नही मन को,
बूटी संजीवन को लाई रे,
वीर बजरंगबली ने।bd।

एक लाख पूत सवा लख नाती,
कौन जलाये अब दीपक बाती,
'पदम्' की बिगड़ी बनाई रे,
वीर बजरंगबली ने।bd।

सोने की लंका जलाई रे,
वीर बजरंगबली ने,
रावण की लुटिया डुबोई रे,
वीर बजरंगबली ने।bd।

प्रेषक – डालचन्द कुशवाह"पदम्"
भोपाल। 9827624524

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com